राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | वर्ष 2024, शुक्ल पक्ष (आषाढ़) विक्रम संवत - 2081, जुलाई

लोक कल्याणकारी पुण्यश्लोक

अहिल्या देवी होलकर

ईश्वर ने मुझ पर जो उत्तरदायित्व रखा है, उसे मुझे निभाना है. मेरा काम प्रजा को सुखी रखना है. मैं अपने प्रत्येक काम के लिये जिम्मेदार हूँ। सामर्थ्य और सत्ता के बल पर मैं यहाँ जो कुछ भी कर रही हूँ. उसका ईश्वर के यहाँ मुझे जवाब देना होगा। मेरा यहाँ कुछ भी नहीं हैं, जिसका है उसी के पास भेजती हूँ. जो कुछ लेती हूँ, वह मेरे उपर कर्जा है, न जाने कैसे चुका पाऊँगी. - अहिल्याबाई होलकर

महान क्रन्तिकारी महिला शासिका महारानी अहिल्याबाई होलकर भारत के मालवा साम्राज्य की मराठा होलकर महारानी थी। अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर के चौण्डी (छौंड़ी) ग्राम में और देहांत 13 अगस्त 1795 कोहुआ। उनके पिता मंकोजी राव शिंदे, अपने गाँव के पाटिल थे। महारानी अहिल्याबाई इन्दौर राज्य के संस्थापक इतिहास-प्रसिद्ध महाराज मल्हारराव होलकर के पुत्र खंडेराव की पत्नी थीं। वह एक बहादुर योद्धा और कुशल तीरंदाज थीं। उन्होंने कई युद्धों में अपनी सेना का नेतृत्व किया और हाथी पर सवार होकर वीरता के साथ लड़ाइयाँ लड़ी।

ऐतिहासिक विवरणानुसार मल्हार राव के निधन के बाद रानी अहिल्याबाई ने राज्य का शासन-भार सम्भाल लिया था और 1795 ई. में अपनी मृत्यु पर्यन्त बड़ी कुशलता से राज्य का शासन चलाया। उनकी गणना आदर्श शासकों में की जाती है। वे अपनी उदारता और प्रजावत्सलता के लिए प्रसिद्ध हैं। ससुर, पति, पुत्र की मृत्यु होने पर भी मनोधैर्य न खोते हुए अहिल्याबाई ने राज्य का सफल संचालन किया। प्रजा को कष्ट देने वालों को पकड़कर दंड देने के स्थान उन्हें समझाने की कोशिशें कीं तथा उन्हें जीवन यापन के लिए भूमि देकर सुधार के रास्ते पर लाया गया, जिसके फलस्वरूप उनके जीवन सुखी व समृद्ध हुए। प्रजा से न्यूनतम कर वसूला गया। कर से प्राप्त धन का उपयोग केवल प्रजाहित के कार्यों में ही किया गया।

अहिल्याबाई का मानना था कि धन, प्रजा व ईश्वर की दी हुई वह धरोहर स्वरूप निधि है, जिसकी मैं मालिक नहीं बल्कि उसके प्रजाहित में उपयोग की जिम्मेदार संरक्षक हूँ। उत्तराधिकारी न होने की स्थिति में अहिल्याबाई ने प्रजा को दत्तक लेने का व स्वाभिमान पूर्वक जीने का अधिकार दिया। प्रजा के सुख दुःख की जानकारी वे स्वयं प्रत्यक्ष रूप प्रजा से मिलकर लेतीं तथा न्याय-पूर्वक निर्णय देती थीं। उनके राज्य में जाति भेद को कोई मान्यता नहीं होने तथा सारी प्रजा समान रूप से आदर की हकदार होने के कारण अनेक बार लोग निजामशाही व पेशवाशाही शासन छोड़कर इनके राज्य में आकर बसने की इच्छा स्वयं इनसे व्यक्त किया करते थे। अहिल्याबाई के राज्य में प्रजा पूरी तरह सुखी व संतुष्ट थी क्योंकि उनका विचार में प्रजा का संतोष ही राज्य का मुख्य कार्य होता है। लोकमाता अहिल्या का मानना था कि प्रजा का पालन संतान की तरह करना ही राजधर्म है।

समस्त प्रजाजनों को न्याय दिलाने के लिए उन्होंने गांवों में पंचायती व्यवस्था, कोतवालों की नियुक्ति, पुलिस की व्यवस्था, न्यायालयों की स्थापना था राजा को प्रत्यक्ष मिलकर न्याय दिए जाने व्यवस्था थी एवं उसी प्रकार कृषि व वाणिज्य की अभिवृद्धि पर ध्यान देते हुए कृषकों को शीघ्र न्याय देने की व्यवस्था की थी। प्रजा की सुविधा के लिए रास्ते, पुल, घाट, धर्मशालाएं, बावड़ी, तालाब बनाये गए थे।

विश्व प्रसिद्ध महेशवेरी साड़ी के व्यापार को शुरू करने का श्रेय भी अहिल्या बाई को जाता है अहिल्या बाई ने कुछ बुनकरों को महेश्वर में यह उद्योग आरंभ करने का निर्देश दिया था जो की आज माहेश्वरी साड़ी के रूप में एक व्यापक व्यापार का रूप ले चुका है। किन्तु अहिल्याबाई होल्कर का सबसे बड़ा योगदान हिन्दू मंदिरों तथा धार्मिक स्थानो पर किए गए निर्माण कार्य संरक्षण और उनके उद्धार हैं।

13122	शिक्षा
7343	स्वास्थ्य
5808	सामाजिक
4556	स्वावलम्बन

सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय - झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर के 903 जिलों में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा **30829** सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

प्रान्त प्रतिनिधि संस्था कार्यकर्ता बैठक ताल छापर -चुरू (राज.) (29 जून 2024 - 30 जून 2024)

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा आयोजित सेवा भारती प्रांतीय प्रतिनिधि संस्थाओं के अध्यक्ष,मंत्री, संगठन मंत्री एवं प्रशिक्षण प्रमुख के साथ दो दिवसीय बैठक का आयोजन राजस्थान के चूरू जिले में ऐतिहासिक स्थान ताल छापर कस्बे में दिनांक 28 जून से 29 जून 2024 तक आयोजित हुआ। इस बैठक में संपूर्ण भारत में सेवा भारती द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की गुणवत्ता एवं सभी सेवा बस्तियों तक पहुंच के निमित विषय प्रमुखों ने पीपीटी के माध्यम से योजना एवं वृत प्रस्तुत किया। इस बैठक में। विषय प्रमुखों ने पिछले वर्ष का वृत एवं गुणवत्ता पूर्ण कार्य योजना जिनमें छात्रावास, प्रशिक्षण, अध्ययन, सीएसआर, स्वावलंबन, वैभवश्री, सेवा दिशा वृत विश्लेषण, प्रचार, आपदा प्रबंधन, कार्यालय, सुपोषित भारत, किशोरी विकास, सेवा में महिला कार्य एवं कार्यकर्ता विकास योजना पर चर्चा एवं योजना प्रस्तुत की गई। संपूर्ण भारत से चुने 12 सेवा कार्यों का विशेष वृत प्रांत के पदाधिकारियों ने प्रस्तुत किया। इन परिणामकारी प्रकल्पों से प्रेरणा लेकर अन्य प्रांतों ने योजना की चर्चा की।कुछ सत्रों में श्रेणी अनुसार सेवा कार्यों की चर्चा की गई। सेवा के परम धर्म पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय सेवा भारती के संगठन मंत्री श्री सुधीर कुमार ने बताया कि सेवा हमारे समाज के मूल में है। परिवार में मां बचपन से ही बालकों को समाज की सेवा का प्रशिक्षण दे कर जिम्मेदारी का ज्ञान कराती है। साथ उन्होंने सेवा के विमर्श एवं टोली विकास के विषय पर चर्चा कर सेवित को सेवक बनाने की इस यात्रा पर निकले अनेकों कार्यकर्ताओं के प्रयासों को सत्र में रखा।दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक के समापन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा प्रमुख श्री पराग जी अभयंकर ने संघ के स्थापना के शताब्दी वर्ष पूर्ण करने पर सभी सेवा बस्तियों एवं 5000 से अधिक जनसंख्या के गांव में वंचित, उपेक्षित, अभावग्रस्त एवं पीड़ित जन की सेवा के लिए शिक्षा, स्वावलंबन, स्वास्थ्य एवं सामाजिक आयामों सहित पहुंचने के लिए योजना तैयार कर सेवा कार्य विस्तार एवं दृढ़ीकरण करने के लिए कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। नर सेवा नारायण सेवा के मूल मंत्र के साथ कहा की बस्ती में अगर कोई वंचित है, उपेक्षित है, अभावग्रस्त है या पीड़ित है तो स्वयंसेवक सदैव सेवा के लिए अग्रिम पंक्ति में उपस्थित रहता है। ध्यातव्य है राष्ट्रीय सेवा भारती 1000 से अधिक सम्बद्ध संस्थाओं का संगठन है। संपूर्ण भारत वर्ष में 30829 नियमित सेवा कार्य संचालित किए जा रहे हैं।

प्रान्त : जम्मू कश्मीर

सेवा भारती जम्मू के द्वारा श्रीनगर के जिला गंधर्बल में तुलूमुला में स्थित माता खीर भवानी के मेले में सेवा भारती एवं एकल विद्यालय मिलकर श्रद्धालुओं के लिए जल की व्यवस्था की है।

प्रान्त : तेलंगाना

बोवेनापल्ली कौशल विकास केंद्र में दिनांक 22-06-2024 को जनरल ड्यूटी असिस्टेंट के 12वें बैच के छात्रों के सफल स्नातक समारोह का आयोजन हुआ। इसमें 90 महिलाओं को कॉर्पोरेट अस्पतालों में तत्काल नौकरी प्लेसमेंट के साथ स्व-सहायता रोजगार प्रशिक्षण और प्रमाण पत्र प्राप्त हुए।

प्रान्त : मध्य भारत

सेवा भारती मध्य भारत द्वारा सेवा भारती के विविध प्रकल्पों के प्रबंधक अधीक्षक एवं प्राचार्य के दो दिवसीय आवासीय प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग का समापन डबरा के सेवा भारती वनवासी हाई स्कूल में 23-06-2024 को हुआ। वर्ग में मध्य भारत प्रांत के विभिन्न प्रकल्पों से 30 प्रबंधक,अधीक्षक एवं प्राचार्य सहभागी रहे।

प्रान्त : अवध

सेवा भारती, अवध प्रांत द्वारा आयोजित सात दिवसीय किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग का लखनऊ में 07-06-2024 को समापन हुआ। इस वर्ग मे कुल संख्या 50 रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथियों ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गये।

प्रान्त : उड़ीसा पूर्व

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के अंदर 504 बिस्तरों वाली एक धर्मशाला का उद्घाटन 19 जून 2024 को किया गया। इस धर्मशाला में परिचारकों (Attendant) / रोगियों को आश्रय प्रदान किया जायेगा। धर्मशाला में अभी 80 परिचारक हैं, धर्मशाला के संचालन और रखरखाव के लिए उत्कल बिपन्ना सहायता समिति (UBSS) को दिया गया है। वे यहाँ 24X7 परिचारक, स्वच्छ वातावरण और पीने का पानी जैसी सभी सुविधाएँ प्रदान करेगी। इस उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्या वक्ता के नाते मा. गुरुशरण प्रसाद जी (स्थायी आमंत्रित -राष्ट्रीय सेवा भारती) एवं एम्स के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र कुमार जी उपस्थित रहें।

प्रान्त : मालवा

सेवा बस्तियों में संचालित किशोर विकास प्रकल्प के उद्देश्य से तीन दिवसीय आवासीय वर्ग का दिनांक 13 जून 2024 को समापन हुआ। वर्ग में इंदौर विभाग के पाँचों ज़िलों से आए 123 किशोर बालकों और 13 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। वर्ग में बालकों को प्रकृति की रक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु उनके द्वारा सीड बॉल कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे 1500 सीड बॉल्स का निर्माण बालकों द्वारा किया गया।

प्रान्त : पंजाब

सेवा भारती, चण्डीगढ़ द्वारा दिनांक 22 जून 2024 को एक स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वैद्य श्री राजेश कपूर ने हमारे जीवन में स्वास्थ्य के महत्व एवं स्वस्थ रहने की जानकारी दी। कार्यशाला में 70 बच्चों एवं अभिभावकों ने भाग लिया।

प्रान्त : अवध

सेवा भारती अवध प्रांत द्वारा दिनांक 13-06-2024 को बिसवा, उत्तर प्रदेश में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों के लिए रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस आयोजन में कई स्वयंसेवकों और स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान किया।

प्रान्त : जम्मू कश्मीर

दिनांक 22 जून 2024 को लद्दाख के लेह जिले में सेवा भारती द्वारा स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया। केंद्र के उद्घाटन के लिए मा. पराग अभ्यंकर जी (अखिल भारतीय सेवा प्रमुख), मा. जयदेव दादा (अखिल भारतीय छात्रावास प्रमुख) और श्री परमीत जी (प्रान्त संगठन मंत्री)की उपस्थित रहें।

प्रान्त : दक्षिण असम

केशव स्मारक संस्कृति सुरभि द्वारा दिनांक 08 जुलाई 2024 को फिनाइल, ब्लीचिंग पाउडर एवं वाटर प्यूरीफायर वितरण कार्यक्रम से 130 से अधिक परिवारों को लाभ मिला तथा चिकित्सा शिविर से 150 मरीजों को लाभ मिला।

प्रान्त : मालवा

दिनाँक 5 जून 2024 को 51 सेवा बस्तियों में एक साथ लगे स्वास्थ्य परीक्षण शिविर स्वस्थ मानव से ही समद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव है।इसी ध्येय वाक्य के साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक तथा विचारक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर "गुरुजी" की 51वीं पुण्यतिथि पर श्री गुरुजी सेवा न्यास, सेवा भारती इंदौर,मालवा प्रान्त एवं सेंट्रल लैब के संयुक्त तत्वावधान में एक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन इंदौर महानगर की चयनित 51 बस्तियों में किया गया।लगभग 1 सप्ताह पूर्व से ही सेवा विभाग एवं सेवा भारती के कार्यकर्ता पंजीयन करने की प्रक्रिया में जुट गए थे। प्रत्येक बस्ती में जाकर वहाँ के रहवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया एवं स्वास्थ्य शिविर की जानकारी व महत्ता को समझाने की बागडोर बस्ती कार्यकर्ताओं ने संभाली।प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक आयोजित किये गए सभी शिविरों में किडनी, लीवर, रक्त परीक्षण, ब्लड प्रेशर, आखों की जाँच, दन्त रोग आदि का परीक्षण किया गया जिससे लगभग 5100 रोगी लाभान्वित हुए। साथ ही शिविर के लाभार्थी आगामी 7 दिनों तक श्री गुरुजी सेवा न्यास में विशेषज्ञ डाक्टरों से निःशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकेंगे।

प्रान्त : उत्तर असम

सेवा भारती पूर्वांचल नेडफी (NEDFI) की सहायता से विभिन्न जिलो की महिलाओं को प्रशिक्षण दिलवाती है। गत वर्ष भी सेवा भारती पूर्वांचल इस प्रकल्प के माध्यम से 100 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया है । इसी कड़ी में दिनांक 1 जुलाई 2024 से असम के आठ जिलो की 30 महिलाओं को 10 दिन का निवासी प्रशिक्षण दिया जा रहा है । इसमें से अधिकतम महिला ने अपना स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ किया है। सेवा भारती की महिला प्रमुख श्रीमती अनीता देवरी व श्रीमती बबिता वैश्य इस प्रकल्प को सुचारू रूप से संचालित करने का काम करती है। NEDFI के चेयरमैन पूरी परियोजना को सहयोग करते आए हैं । 10 जुलाई को इस प्रशिक्षण का समापन हुआ।

आदर्श आंगनवाडी उद्घाटन समारोह

प्रान्त : कोंकण

रा. स्व. संघ जनकल्याण समिती ने बस्ती परिवर्तन योजना के तहत मुंबई में एस.आर.ए. भवनों में संचालित महाराष्ट्र सरकार की 12 आंगनबाड़ियों को गोद लिया है। समिती का लक्ष्य इन आंगनबाड़ियों को आदर्श आंगनबाड़ियों में बदलना है। जिनमें से 7 आंगनबाड़ियों को स्पोर्टिंगलायंस फाउंडेशन (लायंस क्लब ऑफ बॉम्बे विलिंगडन क्रिसेंट) के सहयोग से आदर्श आंगनबाड़ियों में बदल दिया गया है। इनमे से श्री लक्ष्मी एस.आर.ए. शांतिनगर, वाकोला, संताक्रुझ पूर्व और शिवसाई मंगल एस.आर.ए. जवाहर नगर गोरेगाव पश्चिम इन 2 आंगनबाड़ियों का उद्घाटन कार्यक्रम, शुक्रवार, दिनांक 21 जून 2024 के दिन संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, रा. स्व. संघ जनकल्याण समिती, वस्ती परिवर्तन योजना, स्पोर्टिंगलायन्स फ़ौंडेशन (लायन्स क्लब ऑफ बॉम्बे विलिंग्डन क्रिसेंट) और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, महाराष्ट्र शासन इन सभी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारीयों के उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। अंगणवाडी के बालक, उनके अभिभावक तथा स्थानीय नागरिकों की उत्साहवर्धक उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में इन दोनों जगह के महिला एवं बालकों के लिए आरोग्य जाँच शिविर भी आयोजित किये गए जिसमे महिला एवं बालकों का अच्छा प्रतिसाद रहा। आरोहा सुपर स्पेश्यालिटी हॉस्पिटल, दहिसर पूर्व के डॉ. विशाल झा और उनके टीम ने इस आरोग्य शिविर में अपनी सेवा प्रदान की।

प्रान्त : तेलंगाना

सेवा भारती तेलंगाना द्वारा हैदराबाद के पास चेंगिचेरला में किशोरी विकास केंद्र के 32 उत्साही छात्रों ने MS Excel में 1 महीने का कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिससे उनके कौशल में वृद्धि हुई है और नए सीखने के अवसरों को अपनाया है।

वैभवश्री
साधारण कार्य से असाधारण परिवर्तन

चित्तोड़ प्रान्त: सेवा भारती, बारां, कोटा (राज.)

अपने देश में स्वयं सहायता समूह (Self Help Group) की संकल्पनाका पर पिछले 35 वर्षों से कार्य कर रहे हैं। सेवा भारती ने इसे समूहों को सामाजिक परिवर्तन का साधन बनाने हेतु "वैभवश्री" के रूप में आर्थिक लेन देन के साथ आत्म सम्मान , परस्पर सहायता,तथा सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए समाज को संगठन करने के साधन के रूप में अपनाया है । स्वावलंबन, स्वाभिमान, स्वयं सहायता,एवं परस्पर विश्वास के सिद्धांतों पर कार्य करने वाले यह समूह, समाज संगठन की इकाई के रूप में कार्य कर , सामाजिक तथा आर्थिक परिवर्तन के महत्त्वपूर्ण उपकरण सवित हुए हैं । महिलाओं के समूह ने तो अपने परिवार,आस पड़ोस तथा समाज को परिवार भाव से जोड़कर संगठित ग्राम बना दिए हैं। भारत में यह स्थापित विचार है की स्वयं सहायता समूह (Self Help Group)महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन का सशक्त माध्यम है।

स्वयं सहायता समूह का कार्य सेवा भारती बारां ने सन 2002 में शुरू किया। सुसाबन बस्ती में संस्कार केंद्र के साथ do स्वयं सहायता समूहों का भी गठन किया गया। बस्ती में काम करते करते ध्यान में आया कि यहां पर लोगों का आर्थिक शोषण होता है। इस वजह से इनकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहती है । अपनी आवश्यकताओं के लिए ऋण माफियाओं पर निर्भर रहते हैं। जो लगभग 10 रुपये सेकड़ा की दर से ब्याज वसूल करते हैं। कई लोगों का ब्याज चुकाने में ही जीवन पूरा हो जाता है। इस दृश्य को देखते हुए सेवा भारती ने समूह बनाने का कार्य शुरू किया। समूह में 10 से 20 महिलाओं का समूह बनता है। समान विचार, समान बचत प्रति माह जमा करती हैं । धीरे-धीरे आपस में लेनदेन किया जाता है ।समूह अपनी ईमानदारी के आधार पर ही चलता है ।समूह के माध्यम से आपस में मेलजोल, उठना बैठना, सुख दुख की बात होती रहती हैं।

समूह के माध्यम से बस्तियों में दीप यज्ञ, वर्ष में एक बार सामूहिक वन विहार व खेलकूद प्रतियोगिताएं करवाते हैं। समय-समय पर डॉक्टर को ले जाकर स्वास्थ्य चर्चा व भजन प्रतियोगिताएं करवाने से महिलाओं में जागृति आई है। आज महिलाएं खुद जाकर बैंक में पैसे निकाल लाती हैं, जमा करवाती हैं। आज महिलाओं की समूह के हिसाब से 20000-25000 तक बचत हो रही है। इसके आधार पर बैंक में खाता खुलवाया जाता है। और बैंक समूह की स्थिति देखकर लिमिट बनाता है। बारां नगर(राजस्थान) में महिलाओं ने समूह से लोन लेकर कई प्रकार के कार्य कीए हैं। उदाहरण देखें तो.....

श्रीमती धनी शाक्यवाल ने समूह से लोन लेकर अपने बच्चों को दुकान शुरू करवाई। उसने समूह के सहयोग से मकान बनाने में परिवार की सहायता की। श्रीमती संतोष बाई ने बच्चों को पत्थर का व्यवसाय करने के लिए ट्रैक्टर खरीदा और आसान किस्तों में समूह लोन चुकाया। पक्का मकान बनाया तथा अपनी बेटी की शादी भी समूह के सहयोग से की गई। श्रीमती चंद्रकला सलबाड़ीया ने लोन लेकर बेटी की शादी व मकान बनवाया।
वर्तमान में नगर में 13 स्वयं सहायता समूह कार्य कर रहे हैं जिसमे 200 महिलाएं जुडी हैं।

एसे अनेकों उदाहरणों के के साथ बारां क्षेत्र की बस्तियों में स्वावलंबी भारत ,समृद्ध भारत का गान गुंजायमान हो रहा है।
जो महिलाएं कल तक घुंघट में रहा करती थीं अब वह स्वयं सहायता समूह का संचालन कर अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचाती है। गाँव, पंचायत व सामाजिक संगठनो को नेतृत्व प्रदान करने की जग रुकता बढ़ी है। इसके कारन कुटुम्ब व्यवस्था का आधार मजबूत हो रहा है तथा संयुक्त परिवार के टूटने की गति कम हुई है। परिवार में बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य में असामान्य जागरण हुआ है।

संपर्क सूत्र: श्रीमती दमयंती
9413733380

अन्तराष्ट्रीय योग दिवस- 21 जून 2024

प्रान्त : पश्चिम महाराष्ट्र

प्रान्त : पश्चिम महाराष्ट्र

प्रान्त : जम्मू

प्रान्त : तेलंगाना

प्रान्त : झारखण्ड

प्रान्त : हिमाचल

आगामी प्रशिक्षण वर्ग

स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना
तृतीय प्रशिक्षण वर्ग -अनुभूति

23 से 28 जुलाई 2024

छ. संभाजी नगर (महाराष्ट्र)

राष्ट्रीय सेवा भारती के सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

कार्यालय पता:
राष्ट्रीय सेवा भारती
BD-37, गली न.14, फैज़ रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली -110005

वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618,
मोबाइल न. 09868245005